केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने नमामि गंगे मिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

गंगा के निरंतर और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए ई-प्रवाह निगरानी प्रणाली शुरू की गई

Posted On: 13 JUN 2024 6:27PM by PIB Delhi

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर.पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद आज नई दिल्ली में नमामि गंगे मिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण), सुश्री देबाश्री मुखर्जी, महानिदेशक (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन - एनएमसीजी), श्री राजीव कुमार मित्तल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

समीक्षा के दौरान, अविरल गंगा घटक के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा विकसित पर्यावरणीय प्रवाह (ई-प्रवाह) निगरानी प्रणाली भी श्री पाटिल की उपस्थिति में शुरू की गई। ई-प्रवाह निगरानी प्रणाली प्रयाग पोर्टल का एक अभिन्न अंग है, जो परियोजनाओं की योजना और निगरानी, नदी जल की गुणवत्ता और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के लिए एक वास्तविक समय निगरानी केंद्र है। इस पोर्टल में गंगा तरंग पोर्टल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल डैशबोर्ड और गंगा जिला प्रदर्शन निगरानी प्रणाली जैसे ऑनलाइन डैशबोर्ड शामिल हैं।

मंत्री महोदय ने कहा कि यह मंच गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों की जल गुणवत्ता के वास्तविक समय के विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है और केंद्रीय स्तर पर नमामि गंगे कार्यक्रम की गतिविधियों की निगरानी करता है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के प्रदर्शन की निगरानी ऑनलाइन सतत प्रवाह निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) के

माध्यम से की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) अपनी निर्धारित क्षमता पर काम करते हैं। विभिन्न स्थानों पर नदी जल की गुणवत्ता की भी निगरानी की जाती है।

ई-फ्लो निगरानी प्रणाली का शुभारंभ गंगा नदी के निरंतर और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय जल आयोग की त्रैमासिक रिपोर्टों के डेटा का उपयोग करते हुए, सिस्टम गंगा मुख्य धारा के साथ 11 परियोजनाओं में इन-फ्लो, आउट-फ्लो और अनिवार्य ई-फ्लो जैसे प्रमुख मापदंडों की निगरानी करेगा।

श्री पाटिल ने नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत गंगा और उसकी सहायक नदियों सहित चल रही परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और वर्तमान में नदी पुनर्जीवन कार्यक्रमों से वंचित क्षेत्रों के लिए नई रणनीतियों और दृष्टिकोण विकसित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। मंत्री महोदय ने आयोजन के दौरान, गंगा नदी के निर्बाध प्रवाह और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

पृष्ठभूमि

भारत सरकार ने 9 अक्टूबर 2018 की अपनी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से, गंगा नदी के विभिन्न हिस्सों के लिए वर्ष भर न्यूनतम ई-प्रवाह बनाए रखना अनिवार्य कर दिया। उसी अधिसूचना में, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने नदी के इको-संतुलन को संरक्षित करने, जलीय जीवन की सुरक्षा करने और विभिन्न जल उपयोग मांगों के बीच स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रवाह विनिर्देश निर्धारित किए।

ऊपरी गंगा बेसिन से लेकर इसके संगमों और उससे आगे तक, ई-प्रवाह मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपाय किए गए हैं, जिससे वर्तमान और भविष्य की, दोनों परियोजनाओं को लाभ होगा। निगरानी और नियामक तंत्र के साथ, गंगा के इको-बैलेंस को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा रहा है।

*****

एमजी/एआर/आरपी/एमकेएस/एसएस

(Release ID: 2025173) Visitor Counter : 515
Read this release in: English , Urdu , Bengali , Gujarati , Tamil